

## मकर संक्रांति और अमृत स्नान (शाही स्नान)

### चर्चा में क्यों?

प्रयागराज में चल रहे **महाकुंभ मेला 2025** में पहला अमृत स्नान या शाही स्नान 14 जनवरी को हुआ, जो **मकर संक्रांति** के शुभ अवसर पर मनाया गया।

- इस अनुष्ठानिक स्नान ने **गंगा, यमुना** और पौराणिक **सरस्वती नदियों** के संगम में पवत्रि डुबकी की शृंखला की शुरुआत की।

### मुख्य बद्दि

- **मकर संक्रांतिका महत्त्व:**
  - 14 जनवरी को मनाया जाने वाला यह त्योहार **सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का प्रतीक है। संक्रांति** के नाम से जाना जाने वाला यह संक्रमण वशिष्ठ रूप से खास है क्योंकि यह **सूर्य की उत्तर दिशा की यात्रा का संकेत देता है, जिसे उत्तरायण** के नाम से जाना जाता है।
    - यह परिवर्तन ठंडी सर्दियों के महीनों के समापन और उष्ण, वसितारति दिनों की शुरुआत का संकेत करता है।
  - हट्टि पौराणिक कथाओं में, **उत्तरायण को देवताओं का दिन** माना जाता है, जो उत्सव और आध्यात्मिक प्रयासों के लिये एक शुभ अवधि का प्रतीक है।
    - **महाभारत के भीष्म पतिमह ने** आध्यात्मिक मुक्ति पाने के लिये उत्तरायण के दौरान प्राण त्यागने का चयन किया था।
  - यह त्योहार इसलिये भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह **खरमास को समाप्त करता है, जो एक महीने की अवधि है जिसमें शुभ कार्यों से बचने की परंपरा होती है।**
  - सूर्य का मकर राशि में आगमन, जिसे शनि (जिसे सूर्य का पुत्र माना जाता है) द्वारा नयित्त्रति किया जाता है, पारिवारिक एकता के रूप में मनाया जाता है, जो हट्टि परंपराओं में एक महत्त्वपूर्ण वषिय है।
- इस दिन से संबंधी उत्सव को देश के वभिन्न भागों में अलग-अलग नामों से जाना जाता है:
  - उत्तर भारतीय हट्टिओं और सखिों द्वारा **लोहड़ी**
  - मध्य भारत में **सुकरात**
  - असमिया हट्टिओं द्वारा **भोगाली बट्टि** और
  - तमलि हट्टि और अन्य दक्षिण भारतीय हट्टिओं द्वारा मनाया जाने वाला **पोंगल**।
- **अनुष्ठानिक स्नान के लिये अन्य महत्त्वपूर्ण तथियिँ इस प्रकार हैं:**
  - **मौनी अमावस्या (29 जनवरी):** मौन और आत्मनरीक्षण का दिन, आध्यात्मिक शुद्धि के लिये अत्यधिक शुभ माना जाता है।
  - **वसंत पंचमी (3 फरवरी):** वसंत ऋतु के आगमन के उपलक्ष्य में यह त्योहार शक्ति और ज्ञान के उत्सव के रूप में मनाया जाता है।
  - **महाशिवरात्रि (26 फरवरी):** कुंभ मेले का समापन दविस, भगवान शवि को समर्पति, दविय ऊर्जा के मलिन का प्रतीक।



PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/makar-sankranti-and-amrit-snan-shahi-snan>